भारतीय इतिहास में इस्लाम में लोगों के सामाजीकरण की प्रक्रिया को समझने के लिए 'तलवार की बदौलत धर्मांतरण' तथा 'मुक्ति के लिए धर्मांतरण' के सिद्धांत क्यों पर्याप्त नहीं हैं?

7. Would you agree with the view that only a pluralistic approach can help historians comprehend the making of sacred places?

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि एक बहुलतावादी नजरिए से ही इतिहासकार पवित्र स्थलों के गठन की प्रक्रिया को समझ सकते हैं?

8. The Constituent Assembly sharply debated whether the state should have a 'no-concern' attitude or an 'equal-respect' approach towards religion. Elaborate.

संविधान सभा में इस बात पर तीखे बहस हुए कि धर्म के प्रति राज्य का 'कोई-मतलब-नहीं' वाला नजरिया हो या 'समान-सम्मान' का भाव। खुलासा करें।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8067 **J**

Unique Paper Code : 2314000005

Name of the Paper : Religious Traditions in the Indian Subcontinent

Name of the Course : **B.A. (Hons.) – GE (SOL)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Describe the ways in which historians understand the transition from the Vedic to the Puranic traditions.

   वैदिक परंपराओं से पौराणिक परंपराओं की ओर संक्रमण को इतिहासकार जिन तरीकों से समझते हैं, उनका वर्णन करें।

2. The growth of Buddhism and Jainism in ancient India should be understood with reference to the varied schools that emerged within each. Elaborate.

   बौद्ध व जैन मत का विकास जिस प्रकार प्राचीन भारत में हुआ उसे इनमें पनप रहे विभिन्न विचारदलों के संदर्भ में समझना चाहिए। विस्तार से बताएँ।

3. Discuss how the activities of Chishti and Suhrawardy saints contributed to their success in the period between the thirteenth and the fifteenth centuries.

   तेरहवीं से पंद्रहवीं सदी के दौर में चिश्ती तथा सुहरावर्दी संतों की गतिविधियों ने उनकी कामयाबी में क्या योगदान दिया?

4. Why do historians not regard Bhakti as a religious movement in medieval India? Explain with reference to sagun and nirgun traditions.

   इतिहासकार भक्ति को धार्मिक आंदोलन के रूप में क्यों नहीं देखते हैं। सगुण एवं निर्गुण परंपराओं के हवाले से व्याख्या करें।

5. What kind of changes did the Sikh movement witnessed in the face of new challenges during the period of the sixteenth to the eighteenth centuries.

   सोलहवीं सदी से अट्ठारहवीं सदी के दौर में नई चुनौतियों का सामना करते हुए सिक्ख आंदोलन में किस तरह के बदलाव आए?

6. Why are theories of 'conversion by the sword' and 'conversion for liberation' not adequate to understand processes of socialization into Islam in Indian history.